ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

CLASS: III
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NAME : एक दुनिया रचें
SUB – TOPIC – विशलेषण, शब्दार्थ,वाक्य निर्माण

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

कविता पठन के कार्य को पुनः अनजाम देते हुए पुनरावृत्ति का कार्य करवाना।

1 एक दुनिया रचें

चिंतन-मनन

यह दुनिया बहुत बड़ी है। यहाँ विभिन्न तरह के लोग रहते हैं। हमें सबके साथ मिलजुलकर रहना चाहिए। दुनिया में हमें प्रेम और एकता का संदेश देना चाहिए।

एक दुनिया रचें आओ हम प्यार की।
जिसमें खुशियाँ ही खुशियाँ हो संसार की।
एक धरती ने हमको दिया है जनम,
एक धरती के बेटे हैं हम, मान लें।
अजनबी हों भले हाथ अपने मगर,
गरमियाँ एक-दूजे की पहचान लें।
तोड़ डालें ये दीवारें **बेकार** की,
धूप गोरी है क्यों, रात काली है क्यों,
इन सवालों का कुछ आज **मतलब** नहीं।

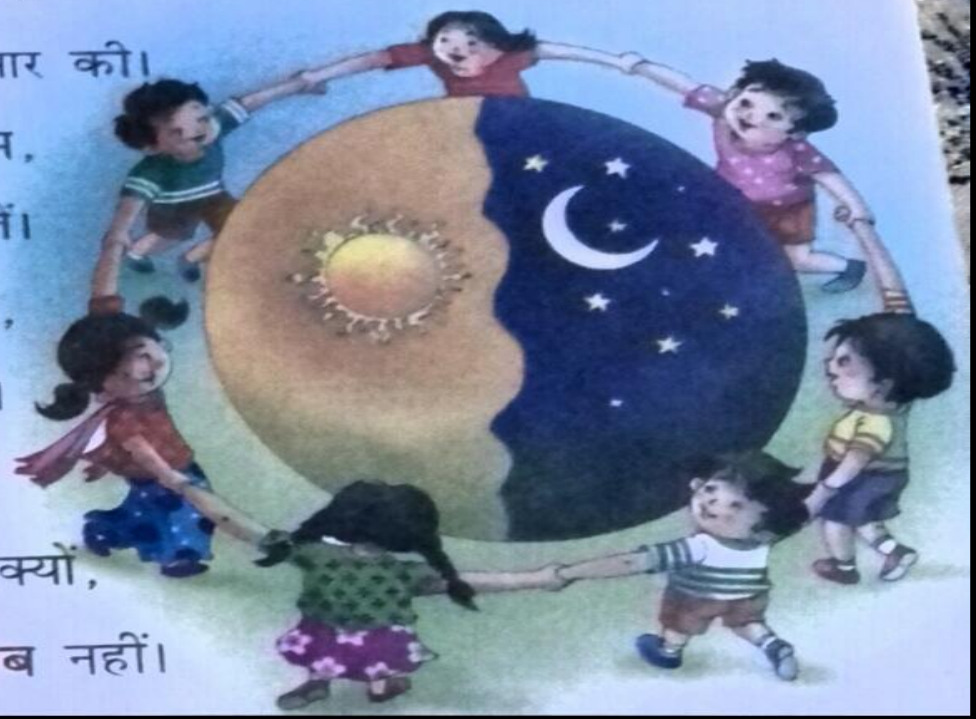

बाँट दें जो बिना बात इनसान को,

उन खयालों का कुछ आज मतलब नहीं।

जोड़कर हर कड़ी टूटते तार की,

एक दुनिया रचें आओ हम प्यार की।

–रमेश तैलंग

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सरल भाषा में पंक्तियों के भावार्थ

1. एक दुनिया रचें आओ हम प्यार की,
जिसमें खुशियाँ ही खुशियाँ हो सारे संसार की ।
भावार्थ- इस पंक्ति में कवि बच्चों से एक प्यार भरी दुनिया बनाने को कह रहे हैं जिसमें प्यार और ढेर सारी खुशियाँ हो ।

2. एक धरती ने हमें दिया है जनम,
एक धरती की बेटे, हम मान लें ।
भावार्थ- इस पंक्ति के माध्यम से कवि हमें यह समझाना चाहते हैं कि इस एक धरती ने हम सब को जन्म दिया है, इस वजह से हम सब इस धरती माता की संतान है‘।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

3 - अजनबी हों भले हाथ अपने मगर
गर्मियां एक दूजे के पहचान लें ।

भावार्थ- कवि इस कविता के माध्यम से हमें यह बताना चाहते हैं कि भले ही हम एक दूसरे को नहीं जानते हैं पर हम सबके अंदर बहता हुआ खून एक है. हम सब एक धरती के संतान हैं. इसलिए सब हमारे अपने हैं ।

4. तोड़ डालें यह दीवारें बेकार की,
धूप गोरी है क्यों, रात काली है क्यों ।

भावार्थ- इस पंक्ति में कवि हमें यह बताना चाहते हैं कि इस संसार में हर प्राणी एक समान हैं न कोई छोटा है न कोई बड़ा। इंसान में जो काले गोरे का भेद भाव हैं वह बेमतलब का है। हम एक धरती माता का संतान है । इसलिए हमें इस भेदभाव रूपी दीवार को तोड़ देना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

5. बाँट दे जो बिना बात की इंसान को,
उन खयालों का कोई मतलब नहीं ।

भावार्थ- इस पंक्ति के माध्यम से कवि हमें यह समझाना चाहते हैं कि ईश्वर ने प्यार से इस दुनिया को हमारे लिए बनाए हैं ईश्वर ने हमारे बीच कभी कोई भेदभाव नहीं किए। फिर हम क्यों अपने बीच भेदभाव करें। हमें उन भावनाओं को मिटा देना चाहिए जो हमारे बीच भेदभाव पैदा करें। ताकि हम सब इस सुंदर संसार को उपभोग कर सकें।

6. जोड़कर हर कड़ी टूटते प्यार की,
आओ रचे एक दुनिया प्यार की ।

भावार्थ- इस कविता में कवि ऐसे दुनिया की कल्पना की है, जहां चारों ओर खुशियाँ हो न कोई भेद भाव न कोई पराए अपना ना कोई छोटा बड़ा, सब एक समान हो ।

कठिन शब्द तथा उनके अर्थ

दुनिया - - - - संसार

विभिन्न - - - - - अलग-अलग तरह के

मिलजुल कर - - एक साथ

बेटे - - पुत्र

एक दूजे के - - - - एक दूसरे के लिए

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

दीवारें - - - - दीवाल

सवाल - - - प्रश्न

आओ - - - आना

जोड़कर - - जोड़ना

हर - - - - - सबको

वाक्य बनाओ

कोशिश-

मेहनत-

डॉक्टर-

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृह कार्य
१३.०४.२१
मंगलवार

गृह कार्य

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

एक दुनिया रचें कविता को अच्छे से याद करें

अध्ययन के परिणाम

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

एक दुनिया रचें कविता के पंक्तियों के अर्थ को अच्छी तरह से समझना ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP